# जॉर्ज वॉशिंगटन की पहली जीत

लेखन: स्टीवन क्रैन्स्की
चित्रांकन: डाएन डॉसन हर्न
भाषान्तर: पूर्वा याज्ञिक कुशवाहा

# जॉर्ज वॉशिंगटन की पहली जीत

लेखन: स्टीवन क्रैन्स्की
चित्रांकन: डाएन डॉसन हर्न
भाषान्तर: पूर्वा याज्ञिक कुशवाहा

# जॉर्ज वॉशिंगटन की पहली जीत

छोटा जॉर्ज वॉशिंगटन स्कूल जाने के लिए लगभग तैयार था।

वह अपनी मक्की वाली डबलरोटी खा चुका था।

उसने बचे-खुचे कण हाथ से झाड़े।

“जॉर्ज,” वे बोलीं।

“पढ़ाई खत्म होते ही सीधे घर आना।”

उसकी माँ मेज़ के सिरे पर बैठी थीं।

मेरी वॉशिंगटन को यह कतई पसन्द न था कि जॉर्ज देर तक घर से गायब रहे।

जॉर्ज के पिता, गस की मौत बस कुछ ही महीनों पहले ही तो हुई थी।

जॉर्ज महज ग्यारह साल का था, पर अब वह घर का 'पुरुष' था।

“मैं भूलूंगा नहीं,” जॉर्ज ने खड़े हो कहा।

उसकी माँ ने सिर हिला कहा, “शुक्रिया।”

जॉर्ज पल भर ठिठका।

वह एक आखिरी सवाल पूछना चाहता था।

उसने गहरी साँस खींची। “मेरे लॉरेन्स के घर जाने के बारे कुछ सोचा है, आपने?” उसने पूछ ही लिया।

लॉरेन्स, जॉर्ज का बड़ा भाई था। उसकी शादी हो चुकी थी और वह तीस मील की दूरी पर जिस घर में रहता था वह माउन्ट वरनॉन कहलाता था।
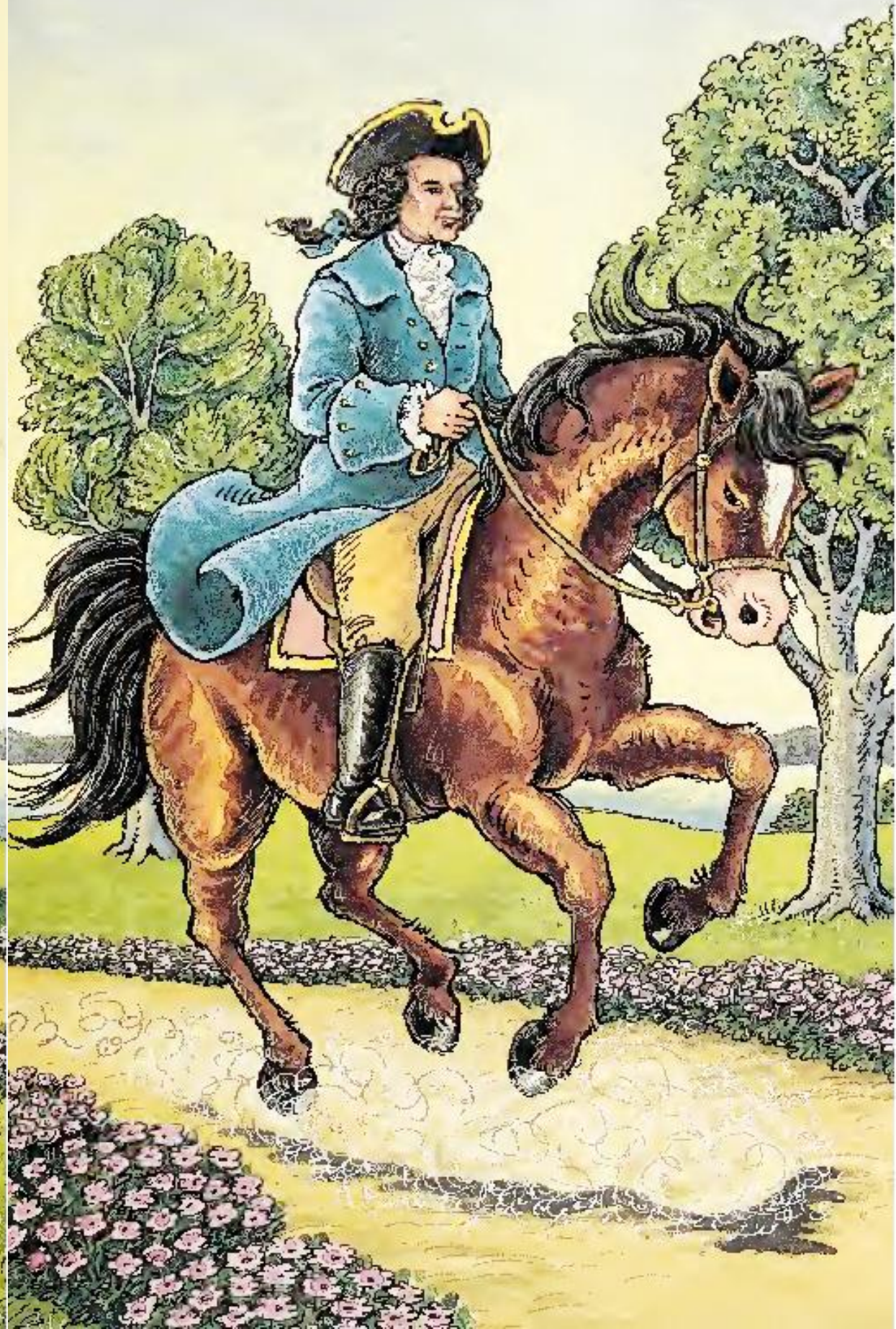
लॉरेन्स चाहता था कि जॉर्ज उससे मिलने आए। जॉर्ज भी जाने को बेताब था।

''इस बारे में हम बाद में बात करेंगे,'' माँ ने कहा, ''तुम घर लौट आओ तब।''

''पर...'' जॉर्ज ने कहना शुरू किया।
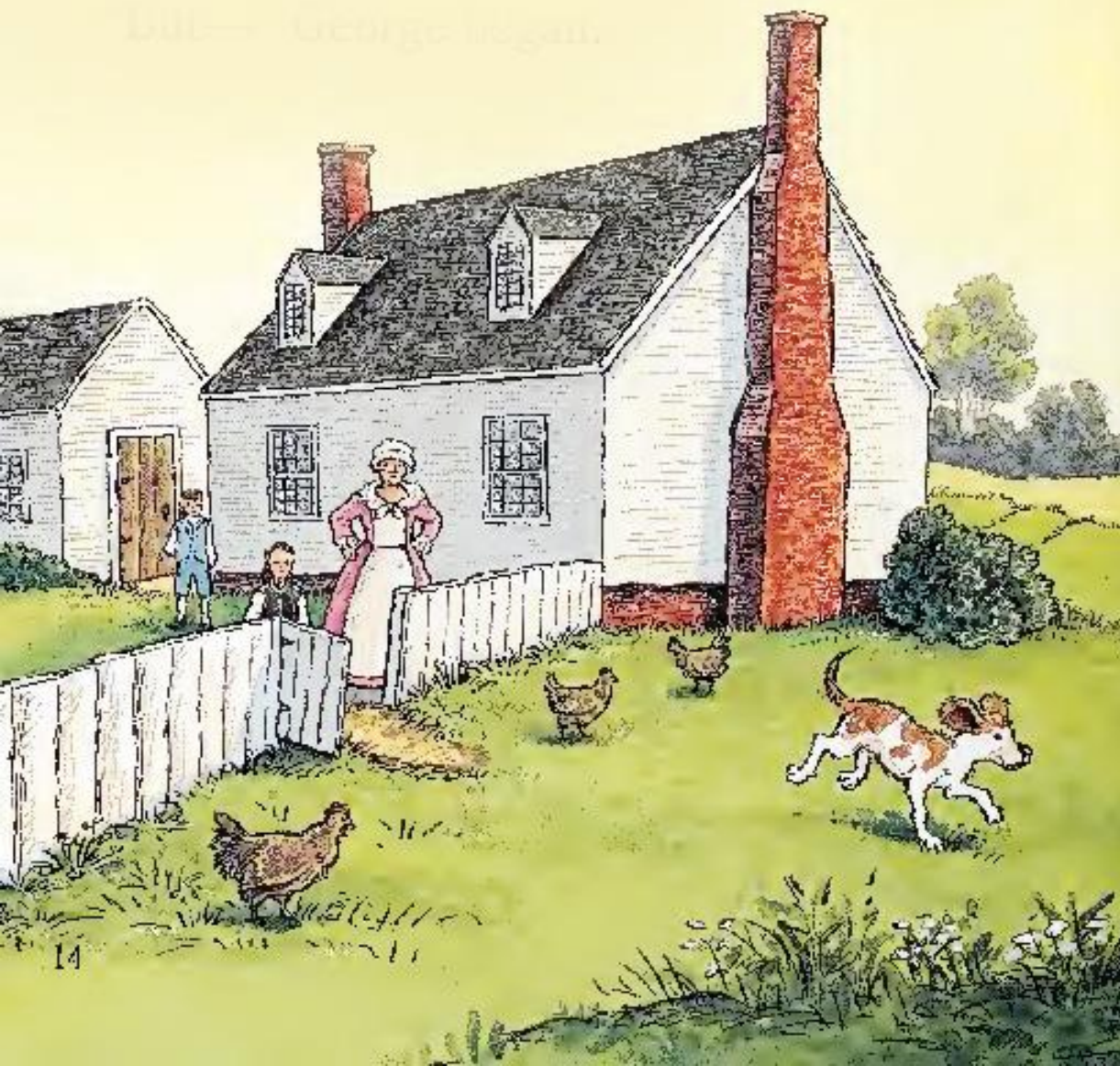
माँ ने अपना हाथ उठा उसे रोक दिया।

''छठा नियम याद है, 'जब चुप रहना वाज़िब हो, तब बोलो मत!''

जॉर्ज शिष्टाचार के सभी 110 नियम जानता था।

एक और नियम था, बोलने के पहले सोचो।

सो जॉर्ज चुप हो गया।

जॉर्ज को स्कूल जाने के लिए कुछ दूर तक नाव की सवारी करनी पड़ती थी। इस दौरान उसे सोचने का मौका मिला। शायद उसकी माँ को यह फ़िक्र हो कि जॉर्ज चला गया तो वे भूखी रह जाएंगी।
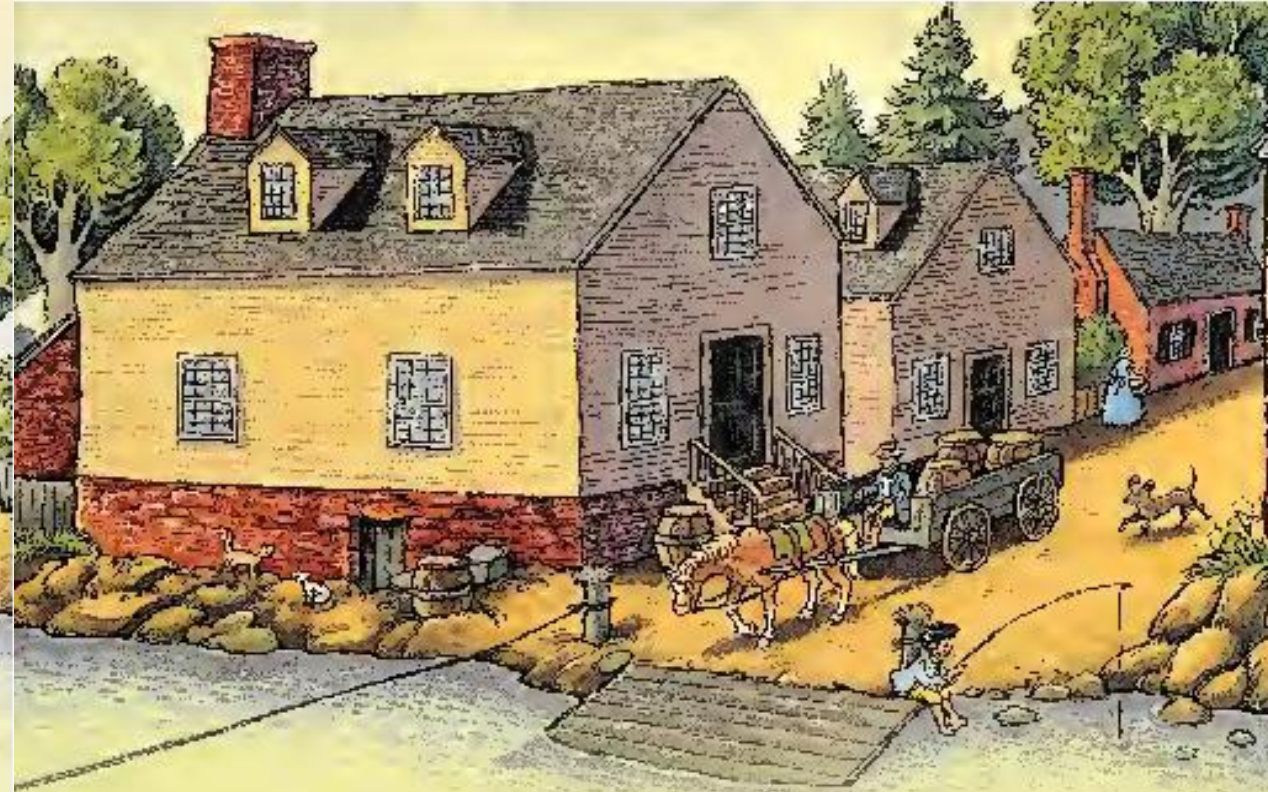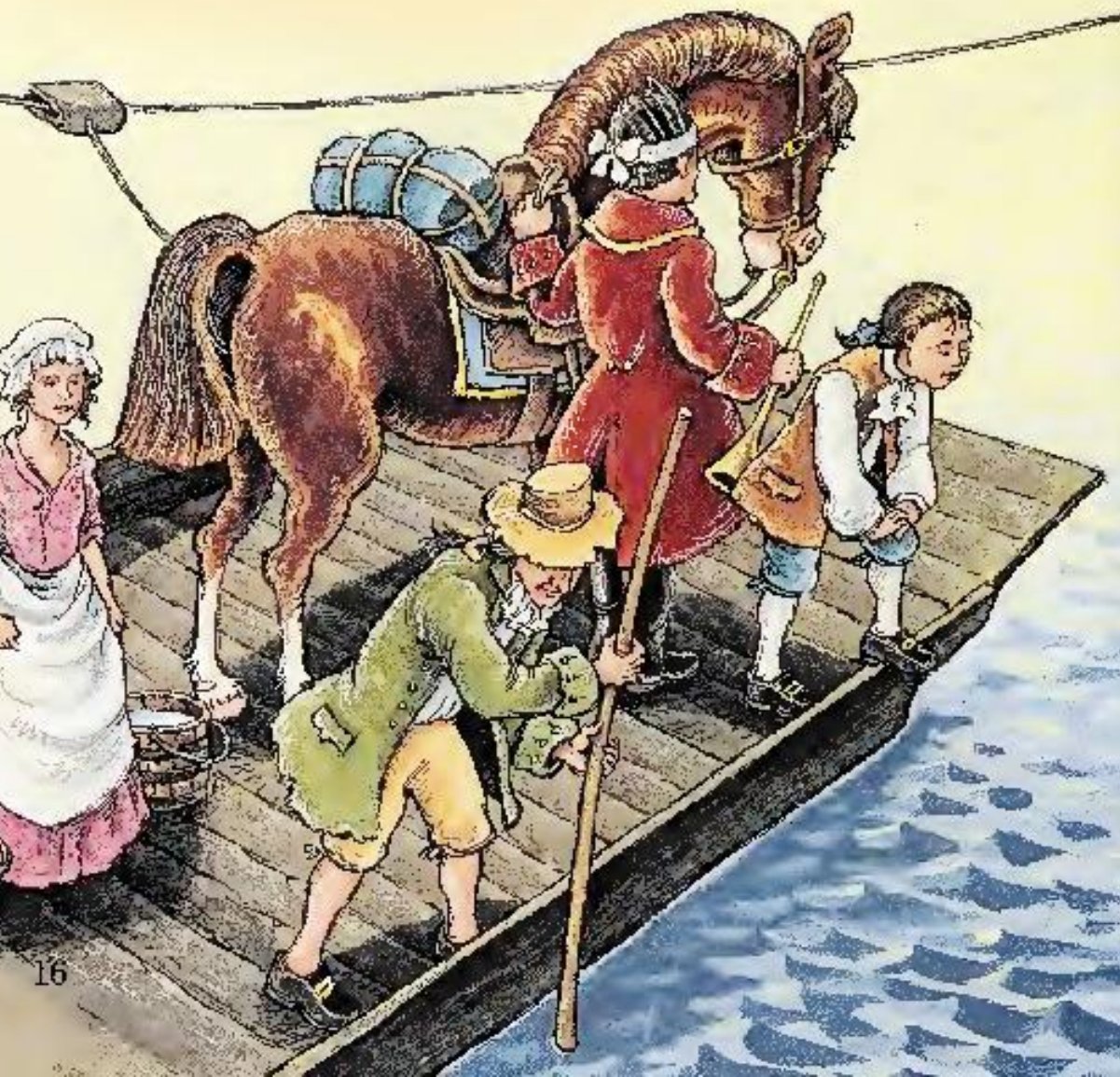
जॉर्ज मछली पकड़ना और शिकार करना जानता था। अगर वह काफ़ी सारी मछलियाँ पकड़ ले और शिकार कर माँस का बंदोबस्त कर दे तो? क्या माँ की सोच बदल जाएगी?

जॉर्ज ने नीचे नदी में देखा। वह अपनी माँ को बखूबी जानता था। वह चाहे कितनी भी मछलियाँ पकड़ ले या शिकार कर ले, माँ को वह नाकाफ़ी ही लगेगा।

जॉर्ज स्कूल में अपनी जगह पर बैठा।

उस दिन का पहला काम था सुलेख का अभ्यास।

जॉर्ज ने बड़ी सफ़ाई से अपना नाम कागज़ पर लिखा।

पर हिज्जे करना उसे मुश्किल लगता था। उससे अक्सर ग़लतियाँ होती थीं।

वह 'तेल' को 'तेइल' लिख जाता था और 'धुंआ' को 'धूंहा'।

अगर उसके हिज्जे सुधर जाएं तो?

क्या माँ उसे जाने देंगी?

जॉर्ज ने सोचा, तब सिर हिला कर तय किया - नहीं।

जॉर्ज का पसन्दीदा विषय था गणित।

उसे संख्याओं के साथ काम करना पसन्द था और चीज़ों को नापना भी।

अगर वह उनकी पूरे खेत को नापे और माँ को बताए कि उसका आकार कितना बड़ा है तो?

क्या वे तब उसे लॉरेन्स के पास जाने देंगीं?

शायद नहीं।

वे ज़रूर कहेंगी इतना बड़ा खेत है, उसकी साज-संभाल के लिए जॉर्ज की दरकार है।
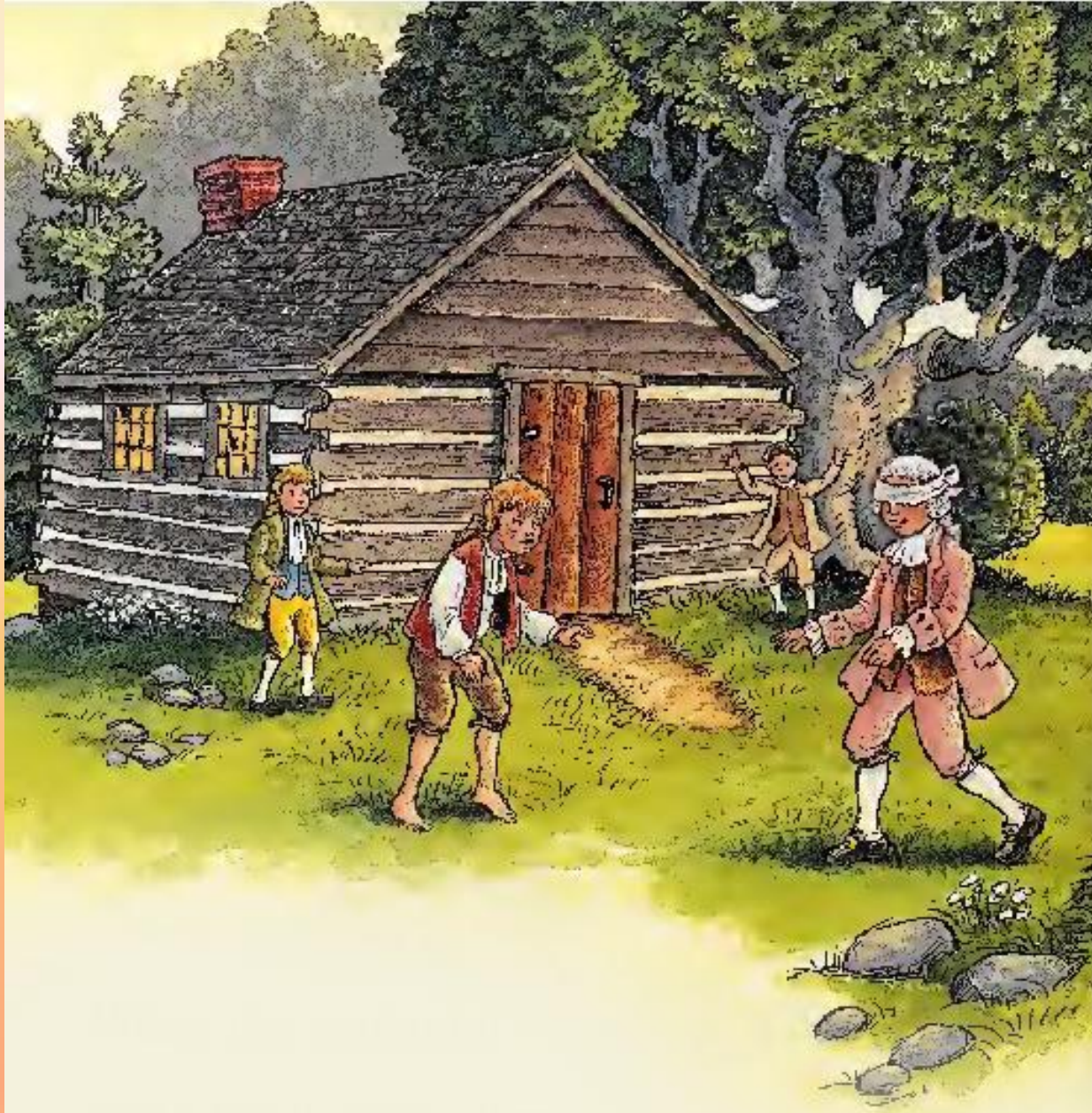
जब कक्षाओं के बीच वाली छुट्टी हुई तो जॉर्ज ने अपने दोस्तों के साथ मेंढ़क-कूद खेला।

अपनी लम्बी टांगों की वजह से वह काफ़ी ऊँचा कूद सकता था।

क्या उसकी माँ उसे तब जाने देंगी अगर वह सबसे ऊँचा कूद सके?

जॉर्ज को लगा, नहीं।

ऊँचा कूदने से उसके दोस्त प्रभावित होते हैं, पर माँ पर कोई असर नहीं होगा।

नाव से घर लौटने में कुछ ही मिनट लगते थे।

पर जॉर्ज को लगा कि आज समय कुछ ज़्यादा ही लग रहा है।

अपनी माँ को मनाने का कोई रास्ता उसे सूझ ही नहीं रहा था।
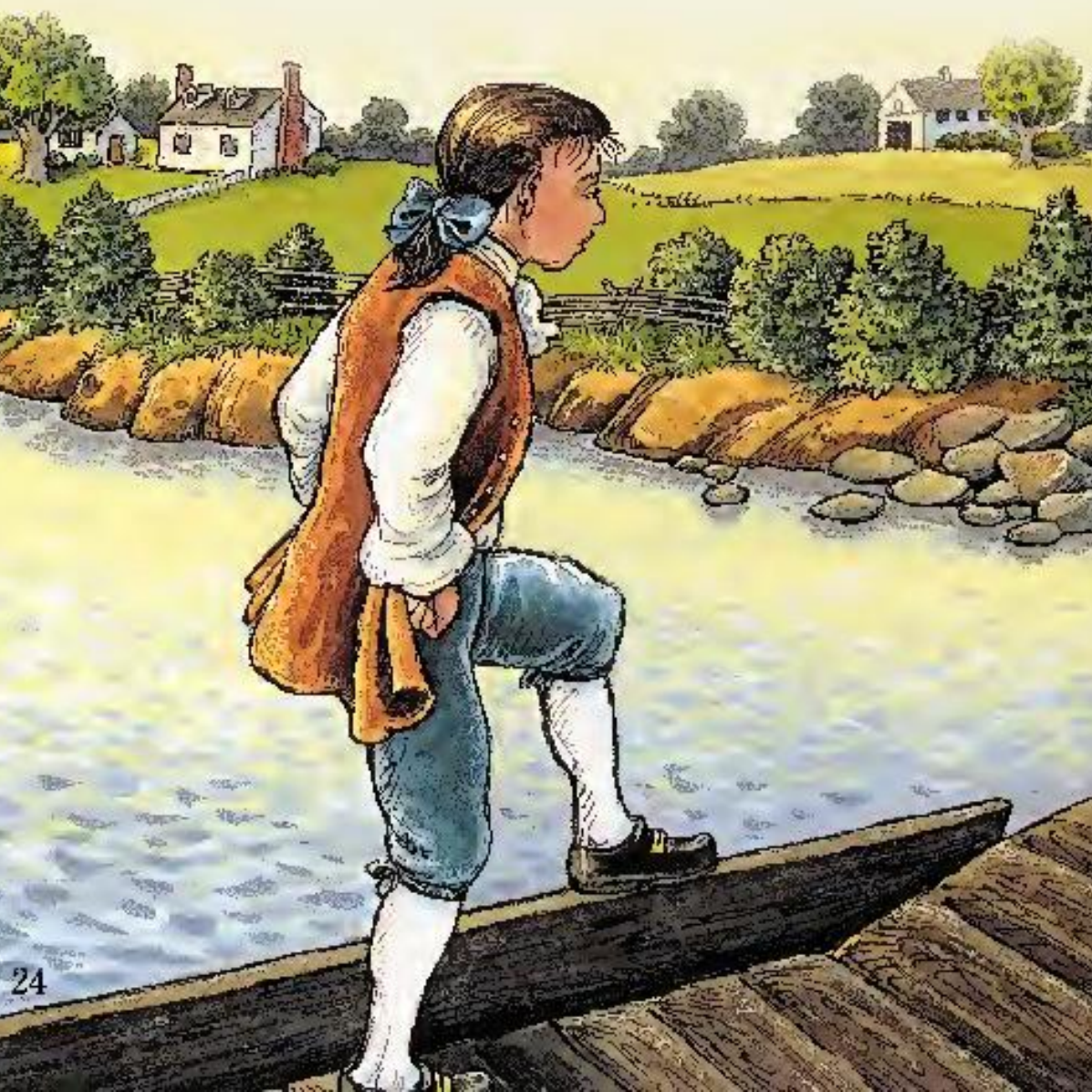


अचानक नज़र उठा कर देखने पर जॉर्ज को घोड़े पर सवार हो मैदानी इलाका पार करते माँ दिखीं।

मेरी वॉशिंगटन बेहतरीन घुड़सवार थीं। उन्हें घोड़ों से बेहद प्यार भी था।

जॉर्ज के दिमाग में एक ख़याल उपजा।
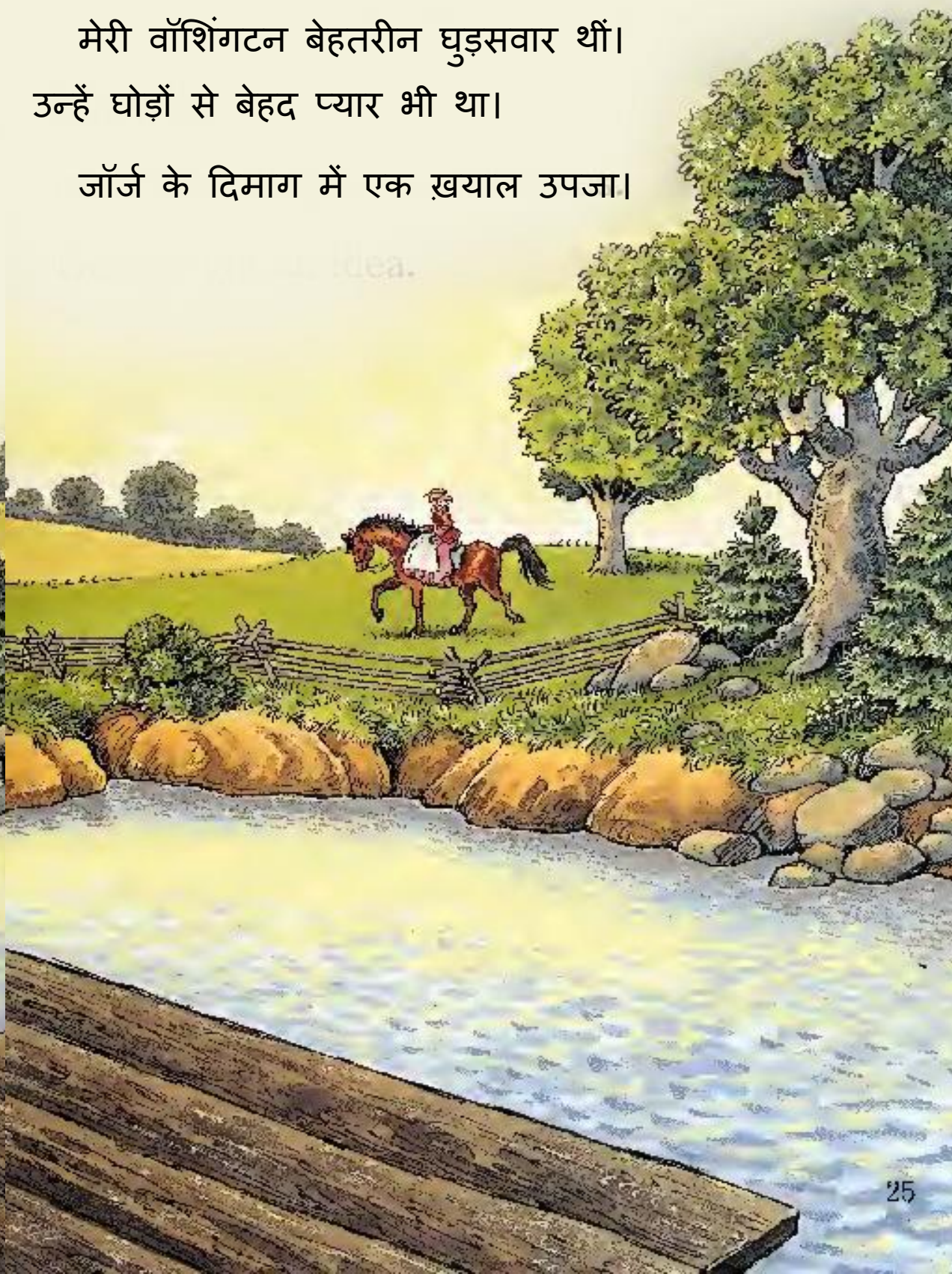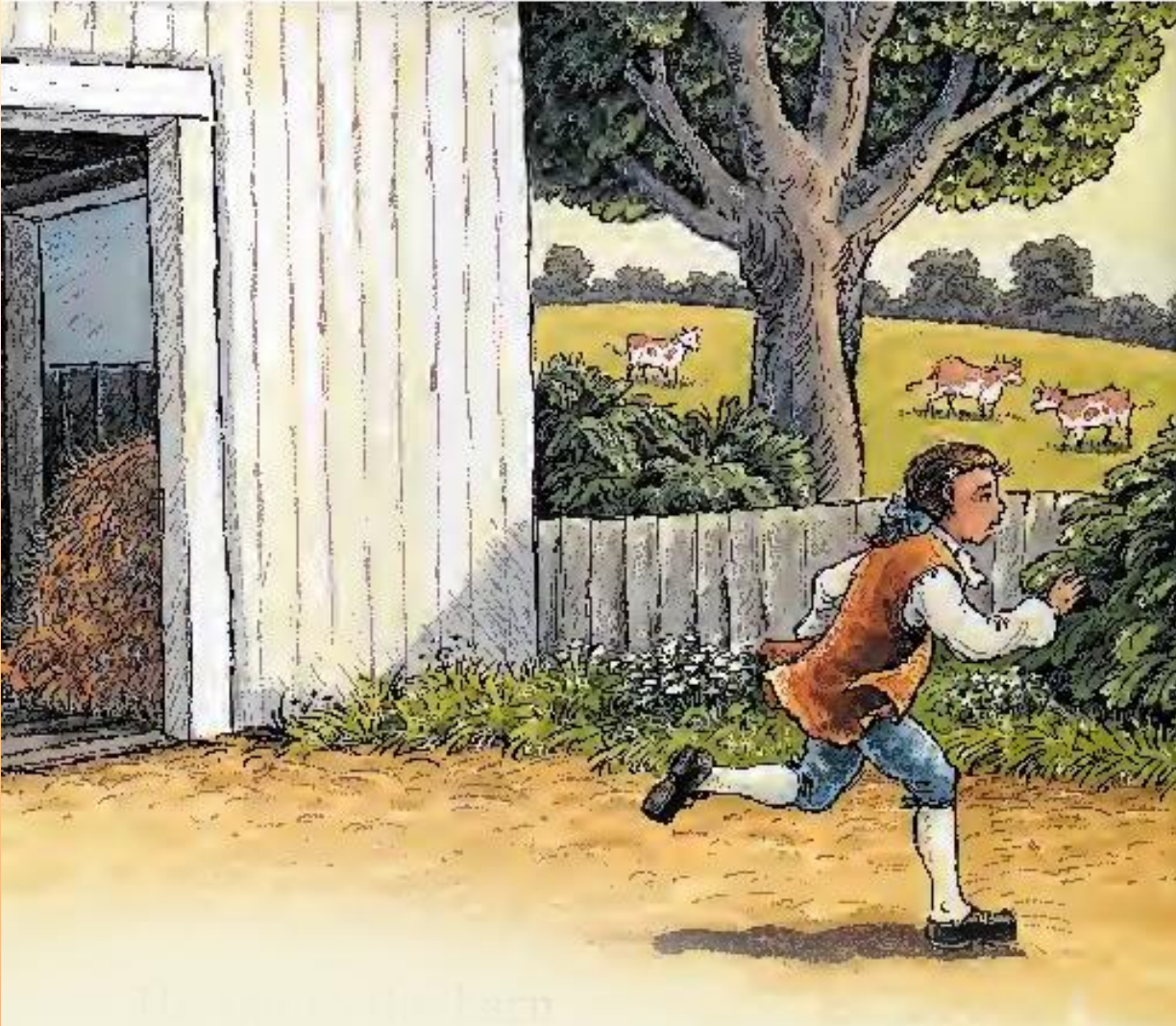
जब माँ लौट रही थीं, वह लपक कर अस्तबल की ओर दौड़ा।

"मुझे खुशी है कि तुम फ़ौरन घर लौट आए हो," वे बोलीं।

"मैं लॉरेन्स के यहाँ जाने के बारे में सोच रहा था," जॉर्ज ने कहा।

"बेशक सोच रहे होगे," माँ ने जवाब में कहा।

जॉर्ज ने माँ से कहा कि लॉरेन्स के यहाँ रहते वक़्त वह सबको दिखा सकता है कि उसने माँ से घुड़सवारी के बारे में क्या-क्या सीखा है।

"उन्हें बड़ा अचरज होगा, है ना?" जॉर्ज ने जोड़ा।

उसकी माँ थम गईं।

वे ग़ौर कर चुकी थीं कि जॉर्ज उम्दा घुड़सवारी कर सकता है।

बेशक लॉरेन्स और उसकी पत्नी इस बात से प्रभावित होंगे कि उन्होंने जॉर्ज को कितनी अच्छी घुड़सवारी सिखाई है।

"तो ठीक है," वे बोलीं। "तुम जा सकते हो।"



जॉर्ज मन ही मन खुशी से चीख पड़ा!

पर ज़ाहिर तौर पर उसने शान्त भाव से कहा, "शुक्रिया!"

लॉरेन्स की दुनिया कितनी उत्तेजक थी।

वहाँ पार्टियों और लोमड़ी के शिकारों का आयोजन होता था।

और सबसे अच्छी बात, उसे लॉरेन्स के साथ समय गुज़ारने का मौका मिल सकेगा।
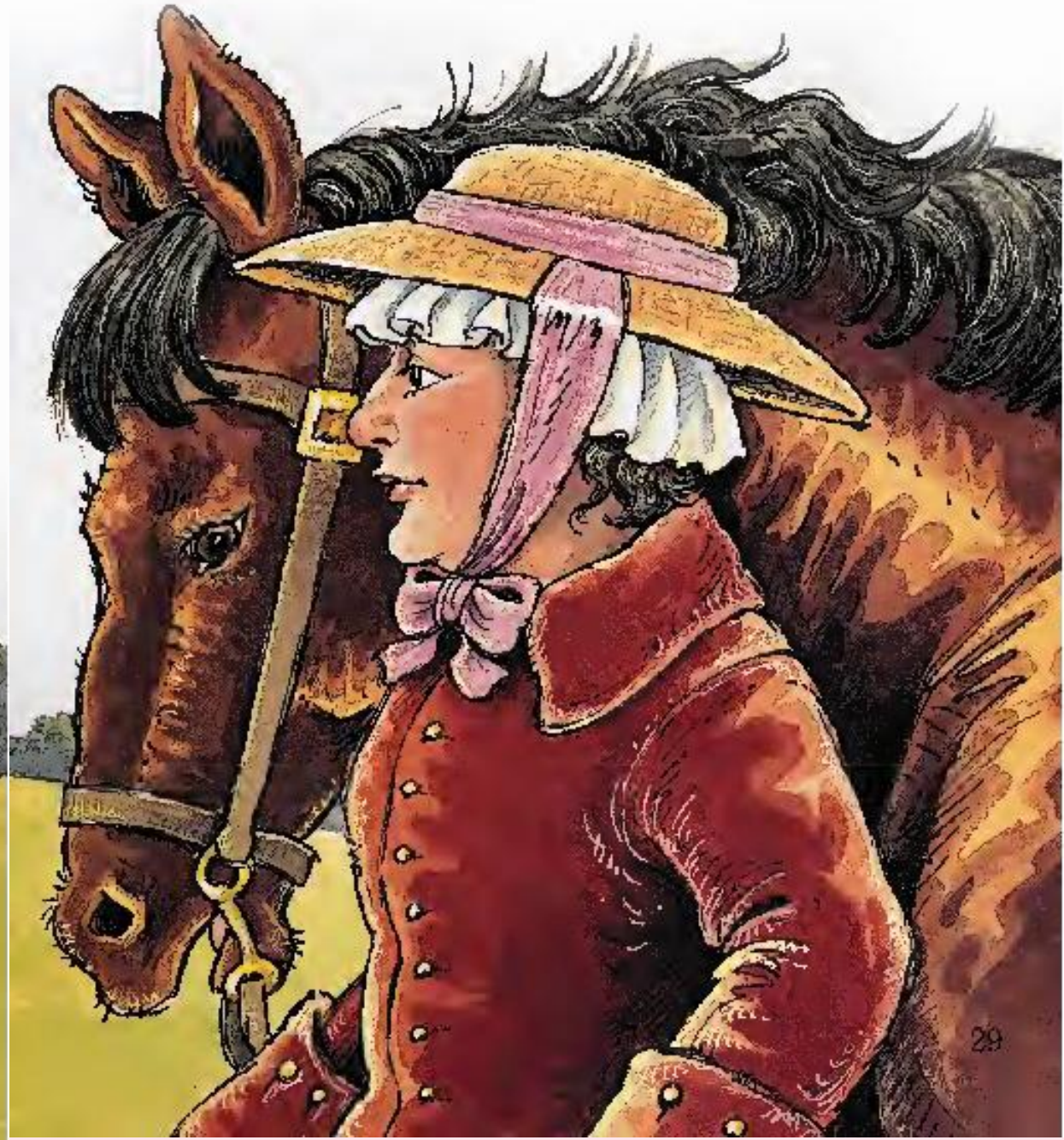
जॉर्ज माँ की अनुमति पा बेहद खुश था।

यह उसके जीवन की पहली जीत थी।

और अगर किस्मत ने साथ दिया तो यह आख़िरी नहीं होगी।

यह पुस्तक जॉर्ज वॉशिंगटन के बारे में एक लोकप्रिय किस्से पर आधारित है।
नीचे दिया गया तिथिक्रम उनके जीवन की महत्वपूर्ण घटनाओं को सूचीबद्ध करता है।

1732 - 22 फरवरी को जन्म

1743 - जॉर्ज के पिता ऑगस्टस (गस) की मृत्यु

1752 - भाई लॉरेन्स की मृत्यु के बाद जॉर्ज माउन्ट वरनॉन के वारिस बने

1754 - फ्रांसीसियों और इण्डियनों (अमरीका के मूल निवासी) के साथ हो रहे युद्धों से जुड़े

1759 - मार्था कस्टिस के साथ विवाह

1774 – कॉन्टिनैन्टल कांग्रेस में नियुक्त

1775 - कॉन्टिनैन्टल सेना के सेनानायक बने

1775 - कई हारों के बाद ट्रैन्टन के युद्ध में विजय मिली

1781 – यॉर्कटाउन में अंतिम विजय

1789 - संयुक्त राज्य अमरीका के पहले राष्ट्रपति चुने गए। उन्होंने दो सत्रों तक सेवाएं दीं

1796 - सेवानिवृत्ति के बाद वे माउन्ट वरनॉन चले आए

1799 - 14 दिसम्बर को मृत्यु।